मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

# BHDC–105

## बी. ए. ( ऑनर्स ) हिन्दी
## ( बी. ए. एच. डी. एच. ) ( सी. बी. सी. एस. )
## सत्रांत परीक्षा
## जून, 2024
## बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क)घन गरजे जन गरजे
क्षिति की छाती को लख जर्जर
एक शोध से
घन गरजे जन गरजे
देख नाश का ताण्डव बर्बर
एक बोध से
घन गरजे जन गरजे।

(ख) कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

(ग) आदमी का स्वप्न ? है वह बुलबुला जल काय

आज उठता और कल फिर फूट जाता है

किन्तु, फिर भी धन्य ठहरा आदमी ही तो ?

बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।

(घ) द्वीप हैं हम।

यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।

हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी के क्रोड़ में।

वह वृहद् भूखंड से हमको मिलाती है।

और वह भूखंड

अपना पितर है।

(ङ) धीरे-धीरे चला अकेले

सोचा साथ किसी को ले ले

फिर रह गया, सड़क पर सब थे

सभी मौन थे सभी निहत्थे

सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी।

2. 'प्रगतिवाद' की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए। 16

3. नयी कविता के शिल्प विधान पर विचार कीजिए। 16

4. समकालीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

5. केदारनाथ सिंह की काव्य परिधि पर प्रकाश डालिए। 16

6. माखनलाल चतुर्वेदी के रचना-शिल्प पर प्रकाश डालते हुए उनके काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. हिन्दी कविता के विकास में अज्ञेय के योगदान को रेखांकित कीजिए। 16

8. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य-संवेदना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 16